गुस्ताखी माफ

युवा बड़े नाराज हैं, खाये बैठे खार।
क्या-क्या हैं शिकवे-गिले, जाकर पूछो यार।
जाकर पूछो यार, जरा मिलने तो जाओ।
वर्ना नेतागिरी, खत्म समझो नेताओ।
कह साहिल कविराय, इन्हें मत समझो छोटा।
वोट बैंक है मियां, यही तो सबसे मोटा।

\- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 210 | FRIDAY 07-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

निगम अफसरों ने कमाई के चक्कर में खोद डाली अपनी.... , पहले 78 करोड़ लगाने की जगह अब खर्च करेगें 150 करोड़!

एडवोकेट घुम्मन का कटाक्ष : 100 की जगह 50 हजार के सूट डालने वाले सोर्स ऑफ इनकम बताए

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/6 अगस्त। लुधियाना नगर निगम के अफसरों द्वारा अपनी कमाई के चक्कर में इंटरनेट व अन्य तारें डलवाने को शहर की सड़कें खुदवाकर खस्ताहाल बना दी गई। आज इस मिलीभगत के नतीजे सामने आने शुरू हो चुके हैं। जिसके चलते अब सड़कें धंसनी शुरू हो चुकी है। नया मामला चार महीने पहले सग्गू चौक से हैबोवाल चौक तक बनाई लायंस क्लब रोड का सामने आया है। जहां वीरवार सुबह चार दिन में दूसरी बार सड़क धंस गई। जिससे करीब 20 फीट गहरा खड्ढा बन गया। जिससे ईटों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली भी उसमें पल्ट गई। निगम अफसरों ने कंपनियों के साथ मिलकर अंडरग्राउंड इंटरनेट व अन्य वायरिंग डालने के चक्कर में सड़कें खोद दी गई। जिससे सीवरेज का पानी सड़कों के अंदर जाता रहा और अब खड्ढे होने शुरू हो चुके हैं। यह बात निगम एसिस्टेंट कमिश्नर जसदेव सिंह सेखों खुद ऑन रिकॉर्ड मान रहे हैं। चर्चा है कि कंपनियों को परमिशनें दिलाने की एवज में कई अफसरों ने मोटी कमाई भी की। आज इसी मिलीभगत का नतीजा यह है कि जहां पहले 78 करोड़ रुपए में सीवरेज लाइन डाली जानी थी, वहीं अब 150 करोड़ रुपए लगेगें। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर लोकल बॉडी विभाग और निगम कमिश्नर ओजस्वीं अलंकार द्वारा जिम्मेदार अफसरों पर एक्शन लिया जाएगा या नहीं।

घर की नींव खत्म होने की कगार पर

चार दिन पहले ही लायंस क्लब रोड पर कमल सिंघानिया नामक व्यक्ति के घर के एकदम बाहर सड़क धंसने से करीब 25 फीट गहरा खड्ढा हो गया था। निगम अभी वे खड्डा भर रहा था कि वीरवार सुबह वहीं पर दूसरा बड़ा खड्ढा हो गया। जिसमें ईटों की भरी ट्रैक्टर ट्राली पलट गई। जिसे मुश्किल से बाहर निकाला। इस हादसे से घर की नींव तक हिल चुकी है।

देर रात तक चलता रहा काम

सड़क धंसने के बाद हुआ खड्ढा

अफसरों-लीडरों की नालायकी से करोड़ों होंगे बर्बाद

इस मामले में मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर का दावा है कि सीवरेज लाइन की मियाद खत्म हो चुकी है। जिस पर कांग्रेस लीडर सनी भल्ला ने कहा कि चार महीने पहले ही यह सड़क बनी है। तब सड़क की साइडों पर जालिया न डालने को लेकर उन्होंने काफी विरोध किया। मगर आप लीडरों ने बात नहीं मानी। अगर चार महीने पहले रोड जालियां डाली जाती, तो उसी समय सीवरेज के हालात पता चल जाते। जिससे करोड़ों रुपए खर्च होने से बचाव हो जाता। लेकिन विभाग और लीडरों की नालायकी के कारण आज करोड़ों रुपए बर्बाद होंगे, वहीं जनता की जान भी जोखिम में डाली गई है।

78 करोड़ का टेंडर आखिर किसने कराया कैंसिल ?

चर्चा है कि कारपोरेशन द्वारा साल 2023 में लायंस क्लब रोड में नई सीवरेज लाइन डालने का टेंडर लगाया गया था। यह टेंडर करीब 78 करोड़ का लगा था। लेकिन टेंडर की घोषणा के बाद इसे कैंसिल कर दिया गया। जिसके चलते आज इस सीवरेज लाइन को डालने में करीब 150 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यानि कि 72 करोड़ की बबार्दी होगी। ऐसे में चर्चा छिड़ गई है कि आखिर किस बुद्धिजीवी द्वारा इस टेंडर का कैंसिल कराया गया और अब क्या उससे इस 72 करोड़ की वसूली होगी या नहीं। यह आना वाला समय ही बताएगा।

प्राइवेट कंपनियों को फायदा पहुंचाने का प्रयास

मोबाइल और इंटरनेट कंपनियों द्वारा अपनी कमाई के चक्कर में शहर में जगह जगह अंडरग्राउंड वायरिंग की जा रही है। जिसके लिए निगम से परमीशन लेनी होती है। निगम के कुछ भ्रष्ट अफसरों द्वारा मिलीभगत करके नई और दरुस्त सड़कों पर भी परमिशनें दिलवा दी जा रही है। जिसके चलते कंपनियों द्वारा खड्ढे करके तारें डाली जाती है और उसे सही से नहीं भरा जाता। अगर कोई पाइप टूट जाए तो उसे टेपोरेरी सही किया जाता है। जिससे बाद में पानी धीरे धीरे सड़क के अंदर जाता है और फिर सड़कें धंसने लगती है। ऐसा ही कुछ लायंस क्लब रोड पर देखने को मिला। जोन-डी के एसिस्टेंट कमिश्नर जसदेव सिंह सेखों खुद इस बात को कबूल कर रहे हैं।

100 का सूट डालने वाले 50 हजार का सूट डाल रहे, तो यही हाल होगा

शिअद नेता एडवोकेट परोपकार सिंह घुम्मन अनुसार यह बीएंडआर और ओएंडएम सेल की

कॉर्डिनेशन की कमी से हादसा हुआ। अब यहां मगरमच्छ के आसू रोने वाले अफसरों और मेयर बताएं के आप में से कौन जिम्मेदार है। मिलीभगत करके तारें डलवाई जा रही है और सड़कें-सीवरेज डैमेज किए जा रहे हैं। विकास के लिए आया पैसा अपनी जेब में डाला जा रहा है। 100 रुपए के सूट डालने वाले निगम हाउस लीडर अब 50 हजार के सूट डाल रहे हैं तो समझ सकते हैं कि इतना पैसा कहा से आ रहा होगा, हालांकि मेयर की सैलरी सिर्फ 15000 तक होती है, तो वे बताएं कि सोर्स ऑफ इनकम क्या है। हल्का विधायक को ईडी ने पकड़ लिया। लेकिन इन्हें ईडी कोई नहीं पकड़ती, जिन्होंने करोड़ों रुपए कमा डाले।

अभी एक साल बाद फिर उखाड़ी जाएगी लायंस क्लब रोड

बता दें कि अप्रैल महीने में करोड़ों रुपए की लागत से बनी लायंस क्लब रोड के निर्माण समय वाटर सप्लाई की पाइपलाइन नहीं बिछाई गई। चर्चा है कि सड़क का टेंडर देते हुए निगम और सीवरेज एंड वाटर सप्लाई विभाग ने पाइपलाइन बिछाने की बात कही। लेकिन कई महीने बीतने पर भी काम शुरू नहीं किया और फिर ठेकेदार को सड़क बनाने के आदेश दे दिए। जिसके चलते अब एक साल बाद पाइपलाइन बिछाने को फिर से नई बनाई सड़क उखाड़ दी जाएगी।

सीवरेज लाइन बदलना जरुरी

निगम कमिश्नर ओजस्वीं ने कहा कि यह पुराना

सीवरेज था, जिस कारण इसे बदलना जरुरी है। सीवरेज के नजदीक से तारें निकल रही है। जिसकी जांच करवाई जाएगी। अगर कंपनी की गलती हुई तो फानेंशियल डैमेज की जिम्मेदारी फिक्स की जाएगी। वहीं एसिस्टेंट कमिश्नर जसदेव सिंह सेखों ने हादसे का कारण तारें डालने वालों को बताया है।

मामले की जांच करेगें, संबंधित कंपनियों पर एक्शन होगा

मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने कहा कि सड़क के सीवरेज की मियाद खत्म होने के कारण नई सीवरेज लाइन डाली जाएगी। तीन साल पहले इसका प्रपोजल बना था, लेकिन पता नहीं क्यों इसे पास नहीं किया। अफसरों से मामले की जांच करने को कहा है। अगर तारें डालने वाली कंपनियों और अफसरों की लापरवाही सामने आई तो उन पर एक्शन लिया जाएगा।

गुरदेव नगर में भी खोदी सड़कें, अब हुआ खड्ढा

बता दें कि करीब छह महीने पहले गुरदेव नगर में भी तारें डालने को सड़कें खोद डाली गई थी। जिससे रेजिडेंट्स को काफी समस्या आई। इसकी शिकायतें भी हुई और पार्षद गुरप्रीत सिंह बब्बल द्वारा विरोध भी जताया गया था। अब एक हफ्ता पहले गुरदेव नगर में ही सड़क धंसने पर उसमें कार जा गिरी।

शाम चार बजे तक नहीं शुरू हुआ काम

घर के मालिक कमल सिंघानिया ने कहा कि चार दिन पहले उनके घर के मेन गेट बाहर खड्ढा हुआ था। निगम ने उसे टेपोरेरी ठीक किया तो अब सुबह साढ़े सात बजे नया खड्ढा हो गया।

लेकिन शाम चार बजे तक राहत कार्य शुरू नहीं हुआ। इस हादसे से उनके घर की नींव की मिट्टी निकलनी शुरू हो चुकी है।

क्या हादसे का इंतजार कर रहे अफसर-लीडर

कांग्रेस लीडर सनी भल्ला ने कहा कि लायंस क्लब रोड वहीं सड़क हैं, जिसके निर्माण में पूरी आप सरकार खुद आ गई थी। लेकिन न तो जालियां डाली और न ही निर्माण समय सीवरेज लाइन देखी गई। निगम अफसरों और नेताओं की बड़ी लापरवाही है। दो दिन पहले सड़क धंसने के बावजूद सही से जांच नहीं हुई, क्या इन्हें किसी हादसे का इंतजार है। आज एक घर की नींव हिल चुकी है, कल को बड़ा हादसा हुआ तो कौन जिम्मेदार होगा।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर पिंजौर में खंड स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पंचकूला/यूटर्न/06 अगस्त। विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास परियोजना, पिंजौर की ओर से खंड स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी आरू वशिष्ठ ने की। कार्यक्रम में पिंजौर ब्लॉक की सुपरवाइजरों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं ने भाग लिया। उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि विश्व स्तनपान सप्ताह प्रत्येक वर्ष 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाता है। इसका उद्देश्य माताओं और समाज को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा शिशुओं के स्वस्थ विकास को बढ़ावा देना है। आरू वशिष्ठ ने महिलाओं को जन्म के पहले घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान कराने, छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने और इसके बाद पूरक आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए संपूर्ण आहार है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और संक्रमण व कुपोषण का खतरा कम होता है। स्तनपान माताओं के स्वास्थ्य और मां-शिशु के भावनात्मक जुड़ाव के लिए भी लाभकारी है। कार्यक्रम के अंत में सही जानकारी समाज तक पहुंचाने की अपील की गई।

घर का पेड़ काटने से पहले लेनी होगी अनुमति, उल्लंघन पर 50 हजार तक जुर्माना

नवीन गोगना

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। पंजाब कैबिनेट ने शहरी क्षेत्रों में पेड़ों की सुरक्षा के लिए 'पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ ट्रीज बिल-2026' को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित कानून लागू होने के बाद निजी घर या परिसर में लगे अधिकांश पेड़ों को काटने से पहले संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति पेड़ काटने पर पहली बार 10 हजार, दूसरी बार 35 हजार और इसके बाद प्रत्येक उल्लंघन पर 50 हजार रुपये तक जुमार्ना लगाया जा सकेगा। बिल के अनुसार, अनुमति लेकर एक पेड़ काटने पर उसके बदले 10 नए पौधे लगाना अनिवार्य होगा। यदि पौधारोपण के लिए पर्याप्त जगह नहीं है तो व्यक्ति 1,800 रुपये प्रति पेड़ वन विभाग में जमा करा सकेगा, जिसके बाद विभाग पौधे लगाने और उनकी देखभाल करेगा। पौधों का रखरखाव नहीं करने पर प्रति पौधा 2,000 रुपये अतिरिक्त जुमार्ना भी लगाया जा सकता है। हर शहरी स्थानीय निकाय में ट्री प्रोटेक्शन ऑफिसर (टीपीओ) नियुक्त किया जाएगा। जान-माल के लिए खतरा बने पेड़ों पर सात दिन और अन्य मामलों में 30 दिन के भीतर निर्णय लेना होगा। तय समय में फैसला नहीं होने पर आवेदन स्वतः स्वीकृत माना जाएगा। प्रस्तावित कानून फिलहाल केवल शहरी क्षेत्रों में लागू होगा। यूकेलिप्टस, पॉपलर, बांस, सुबाबुल, नीम और डेक जैसी कुछ व्यावसायिक प्रजातियों को अनुमति की अनिवार्यता से छूट देने का प्रावधान है।

90 करोड़ के दिल्ली साइकिल टेंडर ने खोली उद्योग की अंदरूनी जंग? कारोबारी प्रतिस्पर्धा, लॉबिंग और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच घिरा मामला

नई दिल्ली/लुधियाना/यूटर्न/06 अगस्त। दिल्ली सरकार के करीब 90 करोड़ के साइकिल खरीद टेंडर ने अब केवल एक सरकारी खरीद का मामला नहीं, बल्कि देश के साइकिल उद्योग के भीतर चल रही कारोबारी प्रतिस्पर्धा, लॉबिंग और कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को भी सामने ला दिया है। उद्योग से जुड़ी कई कंपनियां टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठा रही हैं, जबकि दूसरी ओर राजनीतिक दल भी इस विवाद में कूद पड़े हैं। मामला स्कूली छात्राओं के लिए 1.30 लाख माउंटेन टेरेन (MTB) साइकिलों की खरीद का है। आरोप है कि टेंडर की पात्रता शर्तें इस प्रकार तय की गई कि सीमित कंपनियां ही दौड़ में रह सकें। लुधियाना की SK Bikes Private Limited, Avon Cycles Limited और Hero EcoTech Limited सहित कई कंपनियों ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए शिक्षा विभाग, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) को शिकायतें भेजी हैं। SK Bikes का दावा है कि वह समान स्पेसिफिकेशन वाली साइकिल करीब 4,100 प्रति यूनिट उपलब्ध करा सकती थी, जबकि चयनित दर 6,923 से 6,957 प्रति साइकिल रही। कंपनी का

कहना है कि यदि उसे प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलता तो सरकारी खजाने के लगभग 36.7 करोड़ की बचत संभव थी। शिकायतों में यह भी आरोप लगाया गया है कि 90 करोड़ के टेंडर के लिए 360 करोड़ का वार्षिक टर्नओवर अनिवार्य कर दिया गया, जिससे कई स्थापित निमार्ता स्वतः बाहर हो गए। साथ ही नवीनतम वित्तीय वर्ष को पात्रता में शामिल न करने और प्री-बिड बैठक नहीं कराने पर भी सवाल उठाए गए हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि यह विवाद केवल एक टेंडर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी खरीद में पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और बड़े उद्योग समूहों के प्रभाव को लेकर गंभीर बहस छेड़ सकता है। उनका कहना है कि यदि टेंडर शर्तें वास्तव में प्रतिस्पर्धा को सीमित करने के उद्देश्य से बनाई गई हों, तो यह न केवल सरकारी धन के उपयोग बल्कि पूरे उद्योग में निष्पक्ष कारोबारी माहौल पर भी सवाल खड़े करता है। आम आदमी पार्टी ने भी मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि टेंडर की शर्तें पहले से तय कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई। हालांकि अब तक संबंधित विभाग की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित मामलों के समाधान हेतु न्यायिक अवसंरचना सुदृढ़ करने का मुद्दा राज्यसभा में उठाया - सांसद श्रीमती रेखा शर्मा

पंचकूला/यूटर्न/06 अगस्त। राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा ने आज राज्यसभा के प्रश्नकाल के दौरान पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में बढ़ते लंबित मामलों के विषय को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने अनुपूरक प्रश्न के माध्यम से न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने के लिए अतिरिक्त न्यायिक अवसंरचना, न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति तथा नए कोर्टरूम की आवश्यकता पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि न्याय में अनावश्यक विलंब आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करता है। ऐसे में न्यायालयों में बढ़ते लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए न्यायिक संसाधनों का विस्तार समय की आवश्यकता है। उन्होंने

न्यायिक अधिकारियों की संख्या बढ़ाने, आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास करने तथा नए कोर्टरूम स्थापित करने जैसे कदमों पर बल दिया, ताकि न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुगम, प्रभावी और समयबद्ध बन सके। उन्होंने केंद्र सरकार से इस दिशा में ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके तथा आम नागरिकों को शीघ्र एवं सुलभ न्याय उपलब्ध हो।

हरियाणा में कारोबार होगा आसान, 21 प्रमुख सुधारों पर काम शुरू

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। हरियाणा सरकार ने कारोबार को आसान बनाने और सरकारी प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध करने के लिए 28 में से 21 प्रमुख सुधारों को मंजूरी दे दी है या उनका क्रियान्वयन शुरू कर दिया है। ये सुधार केंद्र सरकार के ह्यकम्प्लायंस रिडक्शन एंड डी-रेगुलेशनह्न अभियान के दूसरे चरण के तहत किए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने बताया कि सुधारों का उद्देश्य उद्योगों, स्टार्टअप, एमएसएमई, किसानों और नागरिकों के लिए अनावश्यक प्रक्रियाओं को कम करना है। राज्य के सभी अधिनियमों, नियमों और सरकारी

आदेशों की डिजिटल रिपोजिटरी भी तैयार की जाएगी। उद्योग विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल के अनुसार औद्योगिक प्लॉटों के उप-विभाजन, खाली प्लॉटों की लीज और लीजहोल्ड को फ्रीहोल्ड

जंग होती है हमेशा इंसानियत की दुश

में बदलने की प्रक्रिया सरल की जाएगी। भवन नियमों में एफएआर, ग्राउंड कवरेज और सेटबैक संबंधी प्रावधान भी व्यावहारिक बनाए जा रहे हैं। पुराने औद्योगिक क्षेत्रों के पुनर्विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का ह्यसक्षम फंडह्न प्रस्तावित है। इसके अलावा हरियाणा एंटरप्राइजेज प्रमोशन सेंटर को मजबूत कर निवेशकों की सहायता के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट बनाई जाएगी।

पेज 06 500 महिलाओं की कलश यात्रा से होगा दिव्य...

'बघेल गो बैक' से 'RSS एजेंट' तक: पंजाब कांग्रेस का सियासी रंगमंच

बैंस पर गलत इशारे के लगे आरोप, तो वडिंग ने ऐहसान भूलने की कही बात

लुधियाना/यूटर्न/6 अगस्त। वीरवार को लुधियाना में एकजुटता दिखाने की कांग्रेस की कोशिश में गुरु नानक देव भवन में मीटिंग आयोजित की गई। यह मीटिंग आपसी कलह के एक और सार्वजनिक प्रदर्शन में बदल गई, जब पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों ने पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल के खिलाफ बघेल गो बैक, चरणजीत चन्नी और आशु जिंदाबाद के नारे लगाए, जिससे पार्टी नेतृत्व को बचाव की मुद्रा में आना पड़ा। विरोध प्रदर्शन जल्द ही हंगामे में बदल गया, जिसमें कांग्रेस कार्यकताओं के विरोधी गुटों के बीच तीखी बहस और हाथापाई हुई, जिससे कार्यक्रम में कुछ देर के लिए व्यवधान पड़ा। यह घटना उन शर्मनाक घटनाओं की श्रृंखला में नवीनतम थी, जिन्होंने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस के भीतर बढ़ती दरारों को उजागर किया है। स्थिति पर नियंत्रण पाने की कोशिश में, पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने इस व्यवधान के लिए पार्टी के भीतर कथित तौर पर काम कर रहे आरएसएस एजेंटों को जिम्मेदार ठहराया। कार्यकताओं से एकजुट रहने की अपील करते हुए, वडिंग ने संकेत दिया कि आरएसएस के प्रति वफादार ताकतों ने कांग्रेस को अंदर से कमजोर करने के लिए उसमें घुसपैठ की है।

वडिंग ने नामों का खुलासा क्यों नहीं किया

हालांकि, इस टिप्पणी से कई सवाल भी उठते हैं। यदि वडिंग का आरोप विशिष्ट जानकारी पर आधारित है, तो इससे पता चलता है कि वे इन कथित आरएसएस एजेंटों की पहचान या भूमिका के बारे में दूसरों की तुलना में अधिक जानते हैं। यदि ऐसा है, तो उनके नाम का खुलासा क्यों नहीं किया गया या पार्टी की अनुशासनात्मक प्रक्रिया के माध्यम से उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? पार्टी अध्यक्ष द्वारा इतना गंभीर आरोप लगाने पर स्वाभाविक रूप से यह उम्मीद की जाती है कि यह राजनीतिक बयानबाजी के बजाय सबूतों पर आधारित हो।

बैंस के गलत इशारे और शब्दावली से विवाद भड़कने के आरोप

वहीं पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु समर्थकों का आरोप है कि वे आराम से बैठकर मीटिंग देख रहे थे। इस दौरान पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस द्वारा हाथ से गलत इशारा किया गया। वहीं भरी सभा में आपत्तिजनक शब्दावली बोली गई। जिसके बाद अपने समर्थकों को नारे लगाने को कहा। उनके उकसाने पर उन्होंने आशु और चन्नी के हक में नारे लगाए।

अनुशासनहीनता की निंदा की

इस बीच, भूपेश बघेल ने अनुशासनहीनता की निंदा की और चेतावनी दी कि कार्यक्रम में व्यवधान डालने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लेकिन यह चेतावनी हाल के दिनों में हुई इसी तरह की घटनाओं के बाद आई है, जो यह संकेत देती है कि अनुशासन बनाए रखने की अपीलें अब तक राज्य इकाई के भीतर व्यवस्था बहाल करने में विफल रही हैं।

हमें वडिंग और बैंस से सर्टीफिकेट की जरुरत नहीं

कांग्रेत नेता पंकज शर्मा काका ने कहा कि हम शुरू से कांग्रेसी है, हमें वडिंग या बैंस जैसों से सर्टीफिकेट की जरुरत नहीं है। यह सभी को पता है कि कौन आप सरकार के साथ कंप्रोमाइजड है। इंद्रजीत इंदी ने कहा कि मैंने और मेरे बड़े भाई (आशु) ने कांग्रेस के लिए जेलें काटी, आज यह हमें बताएंगे कि हम कौन है। वहीं बैंस का कहना है कि उन्होंने

मन....

विजिलेंस ऑफिस से छुड़वाया, रिमांड में खाना खिलाता रहा

वहीं पंजाब प्रधान व लुधियाना सांसद राजा वडिंग ने कहा कि भरी सभा में नारेबाजी करने वालों में से एक व्यक्ति को तो वे खुद विजिलेंस ऑफिस जाकर छुड़वाकर लाए थे। उस नौजवान वर्कर का परिवार खत्म होने की कगार पर था, लेकिन आज वहीं उनके खिलाफ नारे लगा रहा था। वडिंग ने कहा कि वे अपने बड़े भाई और लुधियाना से मंत्री रहे नेता को खुद विजिलेंस ऑफिस जाकर आठ दिन खाना खिलाते रहे। जब उनके साथ कोई नहीं खड़ा था, तब मैं खड़ा था। उंगली कटने पर अगर कोई जख्म पर पेशाब कर दे, तो भी उसका कोई ऐहसान नहीं भूलता। यहां गिरफ्तारी में सहायता करने और जेलों में मुलाकातों के बाद भी भूल गए।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह से एक मौका बना है। क्या पंजाब में BJP इसका फायदा उठा पाएगी?

पंजाब की राजनीति कभी भी एक जैसी नहीं रही है। आम आदमी पार्टी (AAP) सत्ता में है, शिरोमणि अकाली दल (SAD) कई सालों की गिरावट के बाद वापसी की कोशिश कर रहा है, और कांग्रेस—काफी वोट बेस होने के बावजूद—एक बार फिर अंदरूनी कलह से जूझ रही है। ऐसे में एक अहम सवाल उठता है: क्या भारतीय जनता पार्टी (BJP)—जो पंजाब में हमेशा से कमजोर रही है—कांग्रेस की गुटबाजी का फायदा उठाकर 2027 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर पाएगी?

संदीप शर्मा, सम्पादक

लुधियाना में विरोध कर रहे कुछ कांग्रेसी नेताओं पर अमरिंदर सिंह राजा वडिंग की ₹फ्रर एजेंटर₹ वाली टिप्पणी कुछ ऐसी बात की ओर इशारा करती है जो शायद उन्हें पता है या वे भांप सकते हैं, लेकिन दूसरों को नहीं पता।

कांग्रेस के भीतर विरोध का मुख्य चेहरा चन्नी हैं, लेकिन असल में जो लोग पैनी नजर रखे हुए हैं, वे प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा हैं; इसलिए कांग्रेस के भीतर का विरोध काफी हद तक साफ नहीं है। पंजाब में कांग्रेस लंबे समय से नेतृत्व की आपसी खींचतान के लिए जानी जाती रही है। संगठन पर नियंत्रण, उम्मीदवार चुनने और राजनीतिक रणनीति को लेकर राज्य के नेताओं के बीच मतभेद समय-समय पर विरोधियों के खिलाफ पार्टी के अभियान पर हावी रहे हैं। जब भी कांग्रेस बंटी हुई दिखती है, तो मौजूदा सरकार के मुख्य चुनौती देने वाले के तौर पर खुद को पेश करने की उसकी क्षमता कमजोर हो जाती है। विपक्ष के बंटे होने से अक्सर प्रतिस्पर्धियों को उन वोटरों को अपने पाले में करने का मौका मिल जाता है जिन्होंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है।

BJP के लिए ये घटनाक्रम एक मौका तो हैं—लेकिन सफलता की गारंटी नहीं। BJP का पहला मकसद शायद खुद को AAP सरकार और बंटी हुई कांग्रेस, दोनों के एक स्थिर विकल्प के तौर पर पेश करना होगा। 2020 में कृषि कानूनों को लेकर शिरोमणि अकाली दल से अलग होने के बाद से, BJP ने अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से फिर से खड़ा करने की कोशिश की है। उसने कांग्रेस, अकाली दल और दूसरी पार्टियों के कई प्रभावशाली नेताओं को शामिल किया है और साथ ही ग्रामीण पंजाब में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। हालाँकि इन कोशिशों से अभी तक कोई बड़ी चुनावी जीत तो नहीं मिली है, लेकिन पार्टी का संगठनात्मक आधार जरूर मजबूत हुआ है।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह BJP को नाराज नेताओं और स्थानीय कार्यकताओं को अपनी ओर खींचने में और मदद कर सकती है। पंजाब की राजनीति में पारंपरिक रूप से देखा गया है कि जब नेताओं को संगठन में जगह या चुनावी टिकट नहीं मिलता, तो वे पार्टियां बदल लेते हैं। अगर कांग्रेस अपने अंदरूनी मतभेदों को सुलझाने में नाकाम रहती है, तो BJP उन महत्वाकांक्षी नेताओं के लिए पसंदीदा विकल्प बन सकती है जो राष्ट्रीय मंच और पार्टी के संगठनात्मक संसाधनों तक पहुँच चाहते हैं।

हालाँकि, सिर्फ़ संगठनात्मक फायदे ही काफी नहीं हो सकते। पंजाब BJP के लिए सबसे मुश्किल राज्यों में से एक बना हुआ है। पार्टी को अभी भी किसान आंदोलन के राजनीतिक असर का सामना करना पड़ रहा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जो विधानसभा चुनावों के नतीजों को तय करते हैं। हालाँकि BJP ने संपर्क कार्यक्रमों और नीतिगत पहलों के जरिए किसानों के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश की है, लेकिन खेती-किसानी से जुड़े समुदाय के कुछ हिस्सों में अभी भी शक बना हुआ है। जब तक पार्टी गाँवों में अपनी स्वीकार्यता को काफी हद तक नहीं बढ़ाती, तब तक सिर्फ़ कांग्रेस की अंदरूनी कलह से कोई बड़ी चुनावी कामयाबी मिलने की संभावना कम है। लेकिन अगले कुछ दिनों में कांग्रेस में चल रही असहमति और उस पर BJP की प्रतिक्रिया पर नजर रखें।

यूटर्न टाइम

एक राष्ट्र, एक चुनाव के समर्थन में राष्ट्रपति के नाम 250 से अधिक ज्ञापन सौंपे

2019 में कोकीन, एफेड्रिन और चरस बरामदगी से खुला था नेटवर्क, कनाडा में बैठे सरगना लड्डी चिन्ना की भूमिका की जांच जारी

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/06 अगस्त। पंचकूला, 6 अगस्त। पंचकूला जिले की विभिन्न धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं और पंचायतों के प्रतिनिधियों ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के समर्थन में राष्ट्रपति के नाम 250 से अधिक ज्ञापन उपायुक्त सतपाल शर्मा को सौंपे। इससे पहले सेक्टर-1 स्थित जैनेन्द्र गुरुकुल के आत्म सभागार में समर्थन सभा आयोजित की गई।

सभा में कश्मीरी पंडित एसोसिएशन, शिव कांवड़ सेवा समिति, पंचकूला बार एसोसिएशन, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, डॉक्टर्स एसोसिएशन और गढ़वाली सभा सहित अनेक संस्थाओं, पंचायतों, किसान नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के बाद समर्थक पदयात्रा करते हुए डीसी कार्यालय पहुंचे और समर्थन में नारे लगाए।

भाजपा प्रदेश महामंत्री सत्य प्रकाश जरावता ने कहा कि केंद्र सरकार इस व्यवस्था को देशभर में लागू करने के लिए संकल्पित है। प्रदेश संयोजक एडवोकेट विजय पाल ने बताया कि जिले में चलाए गए हस्ताक्षर अभियान के दौरान करीब 25 से 30 हजार लोगों ने समर्थन दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने कहा कि कार्यकर्ता कई महीनों से जनजागरूकता और हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं। उन्होंने जिला संयोजक आशीष गुलेरिया और उनकी टीम के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में शक्ति रानी शर्मा, ज्ञान चंद गुप्ता, श्याम लाल बंसल, लतिका शर्मा और अन्य नेता उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट पर एनसीबी की बड़ी कार्रवाई, दो दोषियों को 10-10 साल की सजा

2019 में कोकीन, एफेड्रिन और चरस बरामदगी से खुला था नेटवर्क, कनाडा में बैठे सरगना लड्डी चिन्ना की भूमिका की जांच जारी

मोहाली/यूटर्न/06 अगस्त। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए सितंबर 2019 के मामले में दो आरोपियों को सजा दिलाई है। विशेष अदालत ने दोषी करार दिए गए अक्षिंदर सिंह सोढ़ी और अमनदीप कुमार को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास और एक-एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। एनसीबी ने इसे संगठित और अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के खिलाफ चल रही मुहिम की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

एनसीबी के अनुसार मामले की शुरूआत 115 ग्राम कोकीन, 13 ग्राम एफेड्रिन, 80 ग्राम चरस और नशीले कैप्सूलों की बरामदगी से हुई थी। जांच आगे बढ़ने पर एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क का संचालन कनाडा में बैठे कथित तस्कर अमरिंदर सिंह उर्फ लड्डी चिन्ना द्वारा भारत में सक्रिय अपने सहयोगियों के माध्यम से किया जा रहा था। दोनों दोषी इसी नेटवर्क का हिस्सा बनकर मादक एवं साइकोट्रोपिक पदार्थों की अवैध तस्करी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। एनसीबी ने बताया कि इस सिंडिकेट से जुड़े कई मामलों की जांच अभी भी जारी है। फरार आरोपी अमरिंदर सिंह उर्फ लड्डी चिन्ना के खिलाफ जांच जारी है। उसके खिलाफ पंजाब पुलिस के विभिन्न थानों में दर्ज कई नशा तस्करी के मामलों में भी नाम सामने आ चुका है।

एजेंसी के अनुसार आगे की जांच के दौरान वर्ष 2026 में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ अभियोजन शिकायतें तैयार की जा रही हैं और जल्द ही संबंधित अदालत में दाखिल की जाएंगी। एनसीबी का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

हेरोइन बेचने का इंतजार कर रहे दो तस्कर गिरफ्तार, एक किलो से ज्यादा नशा बरामद

मोहाली/यूटर्न/06 अगस्त। नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की मोहाली यूनिट ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.12 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। दोनों आरोपी जिला फिरोजपुर के रहने वाले हैं और बाइक पर सवार होकर अपने ग्राहकों को नशा सप्लाई करने का इंतजार कर रहे थे।

- एएनटीएफ की सूचना पर हबीबवाला में बाइक समेत दबोचे गए फिरोजपुर के दोनों आरोपी, अदालत ने तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओम प्रकाश उर्फ अमन पुत्र और गुरदीप सिंह के रूप में हुई है। दोनों फिरोजपुर जिले के गांव हबीबवाला के निवासी हैं। एएनटीएफ के सब इंस्पेक्टर सतपाल को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी बाइक पर गांव हबीबवाला में मौजूद हैं और हेरोइन बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की और दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 1.12 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में एएनटीएफ थाना मोहाली में एनडीपीएस एक्ट की धारा-21 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर सब इंस्पेक्टर सतपाल के बयान पर दर्ज की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद हेरोइन की खेप कहां से लाई गई थी, इसे किन इलाकों में सप्लाई किया जाना था और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान पूछताछ में नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क से जुड़े अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

समझौता कराने के नाम पर रिश्वत ले रहा निजी ड्राइवर विजिलेंस के हत्थे चढ़ा

मोहाली/यूटर्न/06 अगस्त। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मोहाली स्थित रफ्तार टूल्स एंड ट्रैवल कंपनी में कार्यरत एक निजी ड्राइवर को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमनदीप के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। विजिलेंस ब्यूरो के अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई हरियाणा के कुरुक्षेत्र निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि कंपनी के मालिक ने उसके खिलाफ एक पुलिस चौकी में शिकायत दी थी। इस मामले में समझौता कराने के नाम पर कंपनी में कार्यरत ड्राइवर अमनदीप ने उससे पहले 60 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। बाद में दोनों के बीच 40 हजार रुपये में सौदा तय हो गया। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था। उसने इसकी सूचना विजिलेंस ब्यूरो की फ्लाइंग स्क्वॉड-1, मोहालीको दी। शिकायत का सत्यापन करने के बाद विजिलेंस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप लगाया। कार्रवाई के दौरान दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी अमनदीप को शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये की पहली किस्त के रूप में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। इसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। विजिलेंस ब्यूरो ने आरोपी के खिलाफ विजिलेंस थाना मोहाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

खरड़ के सनटेक सिटी प्रोजेक्ट पर बढ़ा विवाद, ईडी की कार्रवाई के बाद मंजूरियों की समीक्षा शुरू

मोहाली/खरड़/यूटर्न/06 अगस्त। खरड़ और न्यू चंडीगढ़ क्षेत्र का सनटेक सिटी हाउसिंग प्रोजेक्ट एक बार फिर विवादों में है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद इस प्रोजेक्ट से जुड़ी मंजूरियों और भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) प्रक्रिया की जांच तेज हो गई है। मामले में कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मंजूरी लेने, निवेशकों से करोड़ों रुपये जुटाने और भूमि संबंधी अनियमितताओं के आरोपों की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, प्रोजेक्ट से जुड़े कई स्थानों पर छापेमारी की गई थी। कार्रवाई के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाए गए। ईडी की जांच के बाद पंजाब के हाउसिंग एवं अर्बन डेवलपमेंट विभाग ने भी प्रोजेक्ट को दी गई मंजूरियों की समीक्षा शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मामले की जांच जारी होने के कारण एजेंसियों ने फिलहाल विस्तृत जानकारी साझा करने से परहेज किया है। इस घटनाक्रम के बाद प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले खरीदारों और स्थानीय लोगों की नजर अब जांच के नतीजों पर टिकी है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पेज 12 पूर्व वरिष्ठ उप महापौर जसबीर सिंह बंटी ने...

जाने-माने पत्रकार तरुण तेजपाल को रेप के मामले में 10 साल की जेल की सजा

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। एक भारतीय अदालत ने 'तहलका' मैगजीन के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को अपनी ही एक पूर्व सहयोगी के साथ रेप करने के आरोप में 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने एक दशक पुराने इस मामले में 2021 में उन्हें बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने तेजपाल को रेप और यौन उत्पीड़न से जुड़े भारतीय कानूनों की धाराओं के तहत दोषी ठहराया।

जेल की सजा के साथ-साथ, अदालत ने उन पर 10 लाख रुपये ($10,500; £7,800) से ज्यादा का जुर्माना भी लगाया है। तेजपाल, जिन्होंने इन आरोपों से इनकार किया है, ने सजा सुनाए जाने से पहले कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। भारत के सबसे मशहूर एडिटर्स में से एक, तेजपाल पर लगे आरोपों ने 2013 में राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं। उससे एक साल पहले, दिल्ली में एक महिला के साथ बर्बर गैंगरेप और हत्या के बाद हजारों भारतीयों ने विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था, जिससे यौन हिंसा पर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। तेजपाल पर आरोप लगाने वाली महिला, जिनकी पहचान भारतीय कानून के तहत उजागर नहीं की जा सकती, ने कहा कि नवंबर 2013 में गोवा में 'तहलका' के हाई-प्रोफाइल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजपाल ने लिफ्ट में उनके साथ यौन उत्पीड़न किया था। इस इवेंट में हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डी नीरो समेत कई हस्तियां शामिल हुई थीं।

तेजपाल ने शुरू में इस घटना को 'फैसले में चूक' और 'हालात को गलत समझने' का नतीजा बताया था, जिसकी वजह से 'एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई जो उन सभी मूल्यों के खिलाफ है जिनमें हम विश्वास करते हैं और जिनके लिए हम लड़ते हैं'। लेकिन जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ा, उन्होंने अधिकारियों से CCTV फुटेज की जांच करने की अपील करते हुए एक बयान जारी किया, 'ताकि घटनाओं का सही ब्योरा स्पष्ट रूप से सामने आ सके'। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन पर चल रहा यह मामला गोवा में भारतीय जनता पार्टी (BJP) सरकार की 'राजनीतिक बदले की भावना' का हिस्सा था।

'तहलका', जिसकी शुरूआत तेजपाल ने 2000 में की थी, ने कई अहम खुलासे (स्कूप) किए थे, जिनमें से ज्यादातर स्टिंग ऑपरेशन पर आधारित थे। इनमें से कुछ कहानियों ने - जिनमें 'ऑपरेशन वेस्ट एंड' भी शामिल है, जिसके तहत उनके कुछ पत्रकारों ने हथियारों के सौदागर बनकर सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, नौकरशाहों और यहाँ तक कि तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी इखढ के अध्यक्ष को भी एक फजी डील को आगे बढ़ाने के लिए रिश्वत लेते हुए गुप्त रूप से फिल्माया था - देश और दुनिया में हलचल मचा दी थी।

चंडीगढ़ कांग्रेस में जल्द होगा बड़ा संगठनात्मक फेरबदल, जिला कमेटियों का होगा पुनर्गठन

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत चंडीगढ़ कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। जिला कांग्रेस कमेटियों के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसी महीने नए जिला अध्यक्षों की घोषणा होने की संभावना है। एआईसीसी के पर्यवेक्षक कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य एवं पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर ने गुरुवार को कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि वे अगले सात दिनों तक प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं से व्यापक विचार-विमर्श करेंगे। इसके बाद तैयार की जाने वाली विस्तृत रिपोर्ट में प्रत्येक जिले के लिए कम से कम छह-छह नामों की सिफारिश कांग्रेस आलाकमान को भेजी जाएगी।

रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में सीबीआई ने किया था गिरफ्तार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। रिश्वतखोरी के मामले में सीबीआई के ट्रैप में गिरफ्तार चंडीगढ़ पुलिस के दो अधिकारियों पर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया है। चंडीगढ़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त विभागीय कार्रवाई जारी रहेगी। चंडीगढ़ पुलिस द्वारा गुरुवार को

जारी प्रेस नोट के अनुसार, इंस्पेक्टर (एसआई) सुरेश कुमार (नंबर 1294/सीएचजी) और एएसआई भगत राम (नंबर 3338/सीपी) को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 3 अगस्त 2026 को अवैध रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस विभाग ने कहा कि आरोपों की गंभीरता, दोनों अधिकारियों के कथित कदाचार तथा उनके आचरण से पुलिस विभाग की छवि, ईमानदारी और अनुशासन पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने दोनों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया।

महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट की छत पर फटा एसी कंप्रेसर, जोरदार धमाके से दहला परिसर; तीन लोग गंभीर रूप से झुलसे

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब भवन की छत पर लगे एयर कंडीशनर (एसी) के कंप्रेसर में अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी और परिसर में मौजूद लोग दहशत में बाहर निकल आए। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाके के साथ तेज आवाज और धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। घटना के बाद कुछ देर के लिए पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कर्मचारियों और अन्य लोगों ने बिना समय गंवाए राहत कार्य शुरू किया और घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर अस्पताल भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और हादसे से जुड़े तथ्यों को जुटाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट एसी के कंप्रेसर में हुआ, हालांकि इसके पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा कंप्रेसर की तकनीकी खराबी, अत्यधिक दबाव, ओवरहीटिंग, गैस रिसाव या रखरखाव में लापरवाही के कारण हुआ। कंप्रेसर और उससे जुड़े उपकरणों की तकनीकी जांच कराई जा रही है, ताकि विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

चंडीगढ़ मार्का 8400 बोतल अवैध शराब के साथ कैंटर चालक गिरफ्तार

डेराबस्सी/यूटर्न/06 अगस्त। डेराबस्सी पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान चंडीगढ़ से अवैध रूप से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक कैंटर से 8,400 बोतल शराब बरामद कर चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एएसआई सुरिंदर सिंह ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ मुबारिकपुर टी-प्वाइंट पर पेट्रोलिंग और नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब साढ़े तीन बजे गुप्त सूचना मिली कि राज कुमार नामक व्यक्ति कैंटर नंबर HP-67-3735 में चंडीगढ़ से अवैध शराब लेकर जीरकपुर और डेराबस्सी क्षेत्र में सप्लाई करने आ रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर कैंटर को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन से 'फॉर सेल इन चंडीगढ़ ओनली' मार्का शराब की बड़ी खेप बरामद हुई। पुलिस के अनुसार बरामद शराब में ट्रिपल नाइन (999) ब्रांड की 4,800 बोतलें और वजीर ब्रांड की 3,600 बोतलें शामिल हैं। कुल 8,400 बोतलें जब्त की गईं। पुलिस ने मौके से आरोपी राज कुमार पुत्र जोगिंदर, निवासी गांव चन्यानी खुर्द, जिला नवांशहर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वह शराब किसके कहने पर लाया था और इसकी सप्लाई किन लोगों को की जानी थी। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

Happy Birthday

नगिंदर सिंह

Happy Birthday

Navya Sharma

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

क्या आज की पीढ़ी भी उसी तरह सावन का आनंद ले पाती है जैसे पहले के लोग लेते थे?

आज का सावन और बारिश का मौसम पहले के समय से बहुत भिन्न है। पहले लोग बारिश की बौछार को खुशी का अवसर मान कर उसे महसूस करने के साथ-साथ त्यौहार की तरह उसका आगमन करते थे। बारिश का मौसम हर किसी के लिए खुशी और ताजगी लेकर आता है। पहले के समय में बच्चे और बड़े सभी बारिश का भरपूर आनंद लेते थे। बच्चे कागज की नाव बनाकर पानी में चलाते, कीचड़ में खेलते, छत पर झाड़ू लगाते, पेड़ों पर झूले डालते और पकौड़ों के साथ चाय का स्वाद लेते थे। उस समय मोबाइल, टीवी और इंटरनेट का अधिक प्रभाव नहीं था, इसलिए लोग प्रकृति के अधिक करीब रहते थे।

आज की पीढ़ी भी बारिश को पसंद करती है, लेकिन उसका आनंद लेने का तरीका बदल गया है। अधिकांश बच्चे घर के अंदर रहकर मोबाइल, वीडियो गेम और सोशल मीडिया में व्यस्त रहते हैं। बारिश का आनंद लेने के बजाय वे उसकी तस्वीरें और वीडियो बनाकर इंटरनेट पर साझा करना अधिक पसंद करते हैं। व्यस्त जीवनशैली, पढ़ाई का दबाव और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण भी बच्चे पहले की तरह खुलकर बारिश में नहीं खेल पाते।

फिर भी, यदि परिवार बच्चों को प्रकृति के साथ समय बिताने का अवसर दें, तो वे भी बारिश की सुंदरता और आनंद का अनुभव कर सकते हैं। हमें आधुनिक तकनीक के साथ-साथ प्रकृति से जुड़ने की आदत भी बनाए रखनी चाहिए। तभी आने वाली पीढ़ियाँ भी बारिश की मीठी यादों को संजो पाएँगे।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

"No Refund, No Exchange" लिखा है, तो क्या ग्राहक कुछ नहीं कर सकता?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

कई दुकानों के बाहर या बिल पर लिखा होता है—"No Refund, No Exchange." इसे देखकर अधिकांश ग्राहक मान लेते हैं कि अब सामान वापस नहीं हो सकता। लेकिन क्या केवल यह बोर्ड लगा देने से ग्राहक के सभी अधिकार खत्म हो जाते हैं?

इसका उत्तर है—नहीं।

यदि आपने अपनी पसंद से सही और बिना किसी खराबी वाला सामान खरीदा है, तो केवल मन बदल जाने पर दुकानदार उसे वापस लेने के लिए बाध्य नहीं होता। इसलिए कई दुकानदार "No Refund, No Exchange" की नीति रखते हैं। लेकिन स्थिति तब बदल जाती है, जब सामान खराब (Defective) हो, नकली हो, दूसरा उत्पाद निकले, विज्ञापन के अनुसार न हो, या उसमें कोई ऐसी कमी हो जो खरीदते समय बताई नहीं गई थी। ऐसे मामलों में केवल "No Refund, No Exchange" लिख देने से दुकानदार अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह बच नहीं सकता। ग्राहक को कानून के अनुसार उचित समाधान मांगने का अधिकार होता है। यह समाधान परिस्थितियों के अनुसार Repair, Replacement या Refund भी हो सकता है। खरीदारी करते समय हमेशा Bill जरूर लें। बिना Bill के भी कुछ मामलों में भुगतान का अन्य सबूत काम आ सकता है, लेकिन Bill होने से अपना दावा साबित करना काफी आसान हो जाता है।

यदि दुकानदार आपकी उचित शिकायत सुनने से इंकार कर देता है, तो पहले उससे लिखित या ईमेल के माध्यम से संपर्क करें। यदि फिर भी समाधान न मिले, तो उपलब्ध कानूनी उपाय अपनाए जा सकते हैं। इसलिए किसी दुकान पर "No Refund, No Exchange" लिखा देखकर अपने अधिकारों को खत्म हुआ न मानें। पहले यह समझें कि आपकी शिकायत किस कारण से है।

निष्कर्ष: "No Refund, No Exchange" हर स्थिति में अंतिम नियम नहीं है। यदि सामान में वास्तविक कमी है या आपको गलत उत्पाद दिया गया है, तो ग्राहक के कानूनी अधिकार बने रहते हैं। खरीदारी का Bill संभालकर रखें और अपने अधिकारों की जानकारी रखें।

500 महिलाओं की कलश यात्रा से होगा दिव्य गीता सत्संग का शुभारंभ

कपिल नागपाल, पंचकूला/यूटर्न/06 अगस्त। पंचकूला, 6 अगस्त। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार पंचकूला की ओर से गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सान्निध्य में आयोजित तीन दिवसीय दिव्य गीता सत्संग का शुभारंभ 7 अगस्त को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा।

संयोजक परविंदर ढींगरा और महासचिव धर्मपाल सिंगला ने बताया कि शाम चार बजे सेक्टर-2 स्थित श्रीराम मंदिर से करीब 500 महिलाओं की कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम पहुंचेगी। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन और जयघोष के साथ भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति का संदेश देंगी।

स्वामी ज्ञानानंद महाराज कलश यात्रा और सत्संग में उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं को श्रीमद्भगवद्गीता के जीवनोपयोगी संदेशों पर प्रवचन देंगे। कार्यक्रम में ट्राईसिटी और आसपास से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। संरक्षक एवं मेयर श्याम लाल बंसल ने बताया कि शहर को स्वागत द्वारों, धार्मिक ध्वजों और सजावट से संवारा जा रहा है। गीता चौक पर विशेष विद्युत सज्जा की जाएगी।

सत्संग 7 से 9 अगस्त तक प्रतिदिन शाम पांच से आठ बजे तक होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए राधा रसोई प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

गांधी नगर में श्री हनुमान चालीसा पाठ एवं भजन सत्संग का आयोजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

लुधियाना/यूटर्न/6 अगस्त। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिशा-निर्देशों के तहत पंजाब ट्रेड विंग लुधियाना नॉर्थ के अध्यक्ष रविंदर पाल सिंह राजू चावला की अगुवाई में गांधी नगर में समस्त मार्केट एसोसिएशन के सहयोग से श्री हनुमान चालीसा पाठ एवं भजन सत्संग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गांधी नगर मार्केट के व्यापारियों और क्षेत्र के निवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद अमन बग्गा शामिल हुए। उनके साथ पार्षद नीरज आहूजा बूटा ने भी विशेष रूप से कार्यक्रम में शिरकत की तथा भगवान श्री हनुमान जी के चरणों में नतमस्तक होकर उनकी आरती की। भजन मंडली ने श्री हनुमान चालीसा के पाठ के साथ-साथ भगवान श्रीराम और माता रानी की भेंटों का सुमधुर गायन की।

सीपीआई 8 अगस्त को जिरकपुर से लालडू तक निकालेगी पदयात्रा

डेराबस्सी/यूटर्न/06 अगस्त। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) 1 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय रैली ह्यबदलाव जरूरी हैह्व के समर्थन में 8 अगस्त को डेराबस्सी हलके में जिरकपुर से लालडू तक पदयात्रा निकालेगी। इस संबंध में गुरुवार को दप्पर में जिला सचिव कामरेड जसपाल सिंह दप्पर की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें कामरेड अवतार सिंह दप्पर, विनोद चुघ, सुरिंदर सिंह, बलविंदर सिंह जड़ौत, महेंद्र सिंह सरसीनी और नसीब सिंह जड़ौत सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि पार्टी 6 से 15 अगस्त तक पूरे पंजाब में पदयात्राएं निकाल रही है। इसी क्रम में 8 अगस्त को सुबह कार्यकर्ता जिरकपुर के कोहिनूर ढाबा पर एकत्र होंगे। यहां से पदयात्रा जिरकपुर बाजार से होकर डेराबस्सी बस स्टैंड पहुंचेगी, जहां प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद यात्रा लालडू बस स्टैंड तक जाएगी और वहीं सभा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

पार्टी नेताओं ने कहा कि दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय रैली के माध्यम से महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दों को उठाया जाएगा। उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी, सभी के लिए मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं, नए श्रम कानूनों और किसान विरोधी मुक्त व्यापार समझौतों को वापस लेने की मांग दोहराई। इसके अलावा पंजाब के नदी जल की सुरक्षा, युवाओं को स्थायी रोजगार, संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, किसानों और गरीबों के कर्ज माफ करने तथा पंजाब से जुड़े लंबित मुद्दों के समाधान की भी मांग की जाएगी।

विधानसभा उत्तरी के वार्ड 94 में नए ट्यूबवेल विधायक बग्गा ने किया शुभारंभ

लुधियाना/यूटर्न/6 अगस्त। विधानसभा उत्तरी के वार्ड 94 करतार नगर में वीरवार को नए ट्यूबवेल का उदघाटन विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने किया। बग्गा ने वार्ड 94 में लंबे समय से चल रही पानी की सम्सया के समाधान का जिक्र करते हुए कहा आप सरकार की प्राथमिकता है कि हर घर तक स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल पहुंचे। इस नए ट्यूबवेल के शुरू होने से करतार नगर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को भी साफ-सुथरा पनी पीने को मिलेगा। यह ट्यूबवेल पंजाब सरकार की हर घर-शुद्ध जल योजना के तहत लगाया। वार्ड के अन्य क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यो, पार्को के रखरखाव, खेल मैदानो व आम आदमी क्लिनिको का जिक्र करते हुए उन्होने कहा राज्य सरकार का मकसद हर नागरिक तक मूलभूत सुविधाओ का संचार कर समाज के प्रति अपना दायित्व निभाना है। पार्षद अमन बग्गा ने कहा विधानसभा उत्तरी खासकर वार्ड-94 में मूलभूत सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा, ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो। समारोह में पार्षद पुष्पिंदर भनोट, ब्लाक प्रधान परमजीत पम्मा, शाम चिटकारा, कुलदीप चावला, जे. बलविंदर, गगनप्रीत विक्की और भाटिया जी सहित स्थानीय निवासी भी उपस्थित रहे।

पंजाब के सेवा केंद्रों में हड़ताल का ऐलान, सेलरी न मिलने पर कामकाज ठप

लुधियाना/यूटर्न/6 अगस्त। लुधियाना समेत पंजाब के सेवा केंद्रों के मुलाजिमों द्वारा हड़ताल का ऐलान किया है। उनकी और से सेलरी न मिलने के चलते वीरवार दोपहर दो बजे से हड़ताल कर दी। जिसके चलते कामकाज ठप हो गया। इस दौरान सेवा केंद्र मुलाजिम यूनियन ने स्पष्ट किया है कि यदि उन्हें सैलरी न मिली तो हड़ताल का समय और बढ़ा दिया जाएगा। मिनिस्ट्रियल स्टाफ के बाद यदि सेवा केंद्रों की हड़ताल भी शुरू हो गई, तो आम जनता के अधिकांश सरकारी काम प्रभावित होंगे। सरकारी सेवाओं और दस्तावेजों के लिए आवेदन सेवा केंद्रों के माध्यम से ही जमा किए जाते हैं। पंजाब में प्रतिदिन करीब 90 हजार से 1 लाख आवेदन सेवा केंद्रों में प्राप्त होते हैं। ऐसे में ठेके पर सेवा केंद्रों का काम लेने वाली प्राइवेट कंपनी द्वारा सैलरी नहीं दी जाती तो हड़ताल आगे तक जारी रह सकती है।

सेक्टर-56 में 15.01 ग्राम हेरोइन के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार, आरोपी पर पहले से दो NDPS केस दर्ज

पलसोरा चौकी पुलिस की कार्रवाई, सेक्टर-39 थाने में ठऊढ्र एक्ट के तहत मामला दर्ज

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। चंडीगढ़ पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए सेक्टर-56 निवासी एक युवक को 15.01 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 30 वर्षीय अश्वनी उर्फ आशु पुत्र मनोज कुमार, निवासी मकान नंबर 6595, सेक्टर-56, चंडीगढ़ के रूप में हुई है।

महिला एसएसपी कंवरदीप कौर, आईपीएस और एसपी सिटी के.एम. प्रियंका, आईपीएस के निर्देश पर एसडीपीओ साउथ/वेस्ट धीरज कुमार की निगरानी तथा सेक्टर-39 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जय प्रकाश सिंह के नेतृत्व में पलसोरा पुलिस चौकी की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस टीम ने सेक्टर-56 स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पास मोड़ पर नाकाबंदी के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 15.01 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई, जिसे वह बिना किसी वैध अनुमति के अपने पास रखे हुए था। बरामदगी के आधार पर थाना सेक्टर-39 में एफआईआर नंबर 123, दिनांक 5 अगस्त 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी निजी नौकरी करता है और 12वीं तक शिक्षित है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वह हेरोइन किससे खरीदकर लाया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाने की तैयारी थी। मामले में सप्लाई चेन और अन्य संभावित तस्करों की भी जांच की जा रही है।

पहले भी दर्ज हैं दो नडीपीएस मामले

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अश्वनी उर्फ आशु पहले भी नशा तस्करी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। उसके खिलाफ वर्ष 2025 में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (अठळत्र) थाना सेक्टर-11 तथा क्राइम ब्रांच थाना, चंडीगढ़ में एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

हर्ष बाहरी जिला अकाली जत्था लुधियाना शहरी के जनरल सेक्रेटरी नियुक्त

नवीन गोगना

लुधियाना/यूटर्न/06 अगस्त। शिरोमणि अकाली दल ने संगठन को मजबूत करते हुए हर्ष बाहरी को जिला अकाली जत्था लुधियाना (शहरी) का जनरल सेक्रेटरी नियुक्त किया है। नियुक्ति के बाद बाहरी ने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व और जिला संगठन का आभार जताया। हर्ष बाहरी ने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाएंगे। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को पार्टी से जोड़ने, पुराने और समर्पित कार्यकताओं को साथ लेकर चलने तथा लुधियाना शहरी क्षेत्र में पार्टी गतिविधियों को तेज किया जाएगा। शहर के विभिन्न इलाकों में कार्यकताओं और आम लोगों के साथ बैठकें कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाए जाएंगे। बाहरी ने कहा कि वह इस पद को पार्टी सेवा का अवसर मानते हैं।

लोहारा स्कूल में 400 विद्यार्थियों को बाल अधिकारों के प्रति किया जागरूक : रुचि बावा

लुधियाना/यूटर्न/6 अगस्त। बच्चों के अधिकारों के प्रति जमीनी स्तर पर जागरूक करने को पंजाब बाल अधिकार आयोग की ओर से नन्हे कदम पहल के तहत सरकारी हाई स्कूल, लोहारा में एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस अवसर पर पंजाब बाल अधिकार आयोग वाइस चेयरपर्सन गुनजीत रुचि बावा ने लगभग 400 विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें बाल अधिकारों, शिक्षा के महत्व, व्यक्तिगत सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। संबोधन में गुनजीत रुचि बावा ने विद्यार्थियों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, शिक्षा से जुड़े रहने तथा किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार, शोषण या उपेक्षा की स्थिति में बिना झिझक मदद मांगने का आह्वान किया। उन्होंने भावनात्मक स्वास्थ्य, नशों से दूर रहने और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। यह कार्यक्रम स्कूल इंचार्ज अमितेश शुक्ला की मौजूदगी में आयोजित हुआ। इस दौरान स्कूल के शिक्षक कुलबीर सिंह, हरप्रीत सिंह, सरबजीत कौर, रितु अरोड़ा, पल्लवी गुप्ता, रमेश कौर, सगुना शर्मा और रेणु शर्मा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आस अहसास एनजीओ की ओर से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्टेशनरी सामग्री भी वितरित की गई।

एक ही फ्लैट का तीन बार सौदा, 30 लाख से अधिक बयाना लेने का आरोप; जीरकपुर में केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/06 अगस्त। पीर मुछल्ला स्थित विक्टोरिया हाइट्स सोसाइटी में एक ही फ्लैट को अलग-अलग लोगों को बेचने का सौदा कर लाखों रुपये की बयाना राशि लेने के आरोप में जीरकपुर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने एक ही फ्लैट का कम से कम तीन अलग-अलग लोगों के साथ सौदा कर उनसे 30 लाख रुपये से अधिक की एडवांस राशि प्राप्त की। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-20, पंचकूला निवासी रजनी सत्संगी ने बताया कि अक्टूबर 2024 में उन्होंने विक्टोरिया हाइट्स के टावर-ए स्थित फ्लैट नंबर अ-704 को 62 लाख रुपये में खरीदने का समझौता किया था।

ओल्ड-एज होम में पिता की मौत, तीन व्यस्त बेटियों ने वीडियो कॉल पर अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। हरियाणा के सोनीपत के एक ओल्ड-एज होम में एक पिता की मौत हो गई, जिन्होंने अपनी तीन बेटियों को पढ़ाने-लिखाने और उनका साथ देने में अपनी पूरी ज़िंदगी बिता दी थी। उनकी कोई भी बेटी उनके अंतिम संस्कार में खुद शामिल नहीं हो सकी। इसके बजाय, बेटियों ने नेपाल, उत्तर प्रदेश और मुंबई से वीडियो कॉल के जरिए अपने पिता के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। मूल रूप से मुंबई के रहने वाले और टेक्सटाइल के पूर्व व्यापारी शिवचरण राम रतन गुप्ता लगभग दो साल से ओल्ड-एज होम में रह रहे थे। वह अपनी पत्नी मीना के साथ वहाँ गए थे, जिनका पहले ही निधन हो चुका था।

लंबी बीमारी के बाद मंगलवार सुबह करीब 3.30 बजे गुप्ता का निधन हो गया। उनकी मौत के बाद, ओल्ड-एज होम के मैनेजमेंट ने उनकी तीनों बेटियों से संपर्क किया। बेटियाँ अंतिम संस्कार के लिए सोनीपत नहीं पहुँच सकीं और इसके बजाय वीडियो कॉल के जरिए अंतिम संस्कार में शामिल हुईं। अंतिम संस्कार ओल्ड-एज होम के मैनेजमेंट और स्थानीय समुदाय के सदस्यों की मदद से किया गया।

बेटियों ने ऑनलाइन देखा पिता का अंतिम संस्कार

ओल्ड-एज होम के एडमिनिस्ट्रेटर आनंद कुमार के अनुसार, गुप्ता अक्सर उस फोन से अपनी बेटियों से बात करते थे जो उन्होंने वहाँ रखा था। हालाँकि, बीमार पड़ने के बाद उनकी फोन कॉल कम हो गईं। कुमार ने बताया कि बेटियों को उनके पिता की बिगड़ती सेहत के बारे में मौत से करीब 20 दिन पहले ही बता दिया गया था, लेकिन वे उनसे मिलने नहीं आईं।

कुमार ने कहा, ₹शिवचरण के पास एक फोन था जिससे वह अपनी बेटियों से बात करते थे। बीमार पड़ने के बाद उनकी कॉल आनी बंद हो गईं। हमने उन्हें उनकी हालत के बारे में बताया, लेकिन फिर भी वे नहीं आ सकीं।₹ गुप्ता की मौत के बाद, मैनेजमेंट ने फिर से बेटियों से संपर्क किया और उन्हें बताया कि अगर वे सोनीपत आती हैं तो इंतजाम किया जा सकता है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि उनके पास यात्रा करने का समय नहीं है।

इसके बाद बेटियाँ वीडियो कॉल के जरिए अंतिम संस्कार में शामिल हुईं और दूर से ही अपने पिता का अंतिम संस्कार देखा। नेपाल में रहने वाली और टीचर के तौर पर काम करने वाली अनीता ने ऑनलाइन 5,100 रुपये भी भेजे और गुजारिश की कि उनके पिता का अंतिम संस्कार ठीक से किया जाए।

अंतिम संस्कार के बाद, बेटियों ने ओल्ड-एज होम से अंतिम संस्कार की कार्यवाही के वीडियो भेजने को कहा। उनमें से एक को फोन पर यह कहते हुए सुना गया, ₹इसमें और कितना समय लगेगा? हमें खाना-पीना और नहाना-धोना भी है। गुप्ता ने अपनी तीनों बेटियों की परवरिश और उनकी पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान दिया था। उनकी एक बेटी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में रहती है, जबकि सबसे छोटी बेटी मुंबई में रहती है। तीनों की शादी हो चुकी है और उनके अपने-अपने परिवार हैं।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने बहादरगढ़ में बांटे मालिकाना हक प्रमाण पत्र

जीरकपुर/यूटर्न/06 अगस्त। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने गुरुवार को गांव बहादरगढ़ में आयोजित लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान 'मेरा घर मेरे नाम' योजना के तहत ग्रामीणों को मालिकाना हक प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने गांव में करीब 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गली की दीवार के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया। रंधावा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार लोगों को उनके वैध अधिकार उपलब्ध कराने और गांवों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मालिकाना हक प्रमाण पत्र मिलने से लोगों को अपनी संपत्ति का कानूनी स्वामित्व प्राप्त हुआ है, जिससे भविष्य में उन्हें किसी प्रकार की कानूनी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों में लोगों की जरूरतों के अनुसार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। इस अवसर पर गांव की सरपंच मनजीत कौर, ब्लॉक समिति सदस्य बलजीत कौर, संगठन प्रभारी गुरसेवक सिंह, यूथ कोऑर्डिनेटर गगनदीप सिंह, ब्लॉक प्रधान, पार्टी पदाधिकारी, ग्रामीण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

थाने के सामने 7 लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग, 30 गोलियां मारीं, रोहित गोदारा गैंग ने ली जिम्मेदारी

भिवानी/यूटर्न/6 अगस्त। हरियाणा के दादरी शहर में सिटी थाने के सामने गुरुवार को अंधाधुंध फायरिंग हुई। इस दौरान ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार 7 लोगों को गोलियां मारी गईं। सभी को सिविल अस्पताल लाने के बाद रोहतक रेफर कर दिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सिटी थाने के ठीक सामने 3 बदमाश बाइक पर बैठकर आए और गाड़ी रुकवाकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। 30 राउंड फायरिंग से ब्लैक स्कॉर्पियो को छलनी किया। गोलियों की गूंज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सवार कोर्ट से पेशी भुगतकर आ रहे थे। पुलिस इसे गैंगवार मान रही है। बताया जा रहा है, इन सात लोगों पर विभिन्न मामलों में 43 मुकदमे दर्ज हैं। घटना के 2 वीडियो भी सामने आए। एक में ब्लैक स्कॉर्पियो में लहूलुहान युवक बैठे दिख रहे हैं। वहीं, दूसरे में तीन हमलावर हाथ में रिवॉल्वर लेकर भागते दिखे। तीनों भरे बाजार में हथियार लहराते और गालियां देते जा रहे थे। घटना के बाद रोहित गोदारा गैंग की एक ऑडियो सामने आई है।

फेसबुक पर पोस्ट डाल ली जिम्मेदारी

फेसबुक पर पोस्ट डालकर हमले की जिम्मेदारी ली गई है। जिसमें लिखा है कि राम-राम सारे भाइयों नै...मैं नवीन बॉक्सर, रोहित गोदारा ग्रुप से। आज दादरी के अंदर अमित फतेहगढ़िया के ऊपर अटैक हुआ है, इसके 2 साथी मरे हैं। इसकी जिम्मेदारी हम लेते हैं। सभी कान खोलकर सुन लेना, ये लड़ाई अभी शुरू हुई है। इनके साथ चलने वाला हमारा दुश्मन होगा।

गाजीपुर रोड पर तेज रफ्तार बलेनो ने ऑटो को मारी टक्कर, चालक घायल; कार चालक पर केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/06 अगस्त। गाजीपुर रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से ऑटो चालक के घायल होने के मामले में जीरकपुर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि चालक लापरवाही और तेज गति से वाहन चला रहा था, जिससे पीछे से ऑटो में जोरदार टक्कर लग गई। पुलिस को दिए बयान में राम बदन पुत्र स्वर्गीय बाबू राम, निवासी गांव दरिया, चंडीगढ़ ने बताया कि वह किराये पर ऑटो चलाता है। 28 जुलाई 2026 को वह चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन से एक सवारी को लेकर जीरकपुर की ओर आ रहा था। सुबह करीब 11:30 बजे जब वह गाजीपुर रोड पर पहुंचा तो पीछे से तेज रफ्तार सिल्वर रंग की बलेनो कार ने उसके ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राम बदन के बाएं पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं, जबकि ऑटो भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

एनएचआरएसीएफ ने सेक्टर-17 में चलाया वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड एंटी-करप्शन फोर्स, चंडीगढ़ की टीम ने गुरुवार को सेक्टर-17 स्थित होटल हयात सेंट्रिक के सामने पार्क में वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान का नेतृत्व संगठन के चंडीगढ़ अध्यक्ष कमलजीत सिंह पंछी ने किया, जिसमें संस्था के सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस अवसर पर कमलजीत सिंह पंछी ने कहा कि वर्षा ऋतु पौधारोपण के लिए सबसे अनुकूल समय होता है, क्योंकि इस मौसम में पौधों को पर्याप्त नमी और अनुकूल वातावरण मिलता है। इससे पौधों के जीवित रहने और तेजी से विकसित होने की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह पौधारोपण को जनआंदोलन बनाए। वृक्ष न केवल वायु को शुद्ध करते हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, तापमान नियंत्रण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कमलजीत सिंह पंछी ने शहरवासियों, समाजसेवियों, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों से इस हरित अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो चंडीगढ़ को और अधिक हराभरा एवं स्वच्छ बनाया जा सकता है।

जगरांव पुलिस प्रशासन का बड़ा कदम

मेहनत और लगन को सम्मान देते हुए कई अधिकारियों को मिली पदोन्नति

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/6/अगस्त। पंजाब पुलिस विभाग द्वारा कर्मचारियों की मेहनत, ईमानदारी और बेहतरीन कार्यप्रणाली को सराहते हुए उन्हें समय-समय पर पदोन्नत किया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत जगरांव में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता और डीएसपी कुलवंत सिंह ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के आधार पर पदोन्नति दी।

समारोह के दौरान राजवीर सिंह, रणधीर सिंह और सुखविंदर सिंह को पदोन्नत कर सब-इंसपेक्टर (रक) बनाया गया। इसके साथ ही उपकार सिंह, पवनदीप सिंह, सुखदेव सिंह, जसप्रीत सिंह, सुखदेव सिंह, जसविंदर सिंह और करमजीत सिंह को सहायक सब-इंस्पेक्टर (अरक) के पद पर पदोन्नत किया गया। इस अवसर पर उच्च अधिकारियों ने खुद अपने हाथों से इन सभी कर्मठ पुलिस कर्मियों के कंधों पर नए स्टार सजाकर उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पदोन्नति से बढ़ता है कर्मचारियों का मनोबल:- एसएसपी डॉ. गुप्ताः इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता ने कहा कि पदोन्नति सिर्फ एक ओहदे में बदलाव नहीं है, बल्कि यह कर्मचारी की निष्ठा, जिम्मेदारी और सेवा के प्रति समर्पण का सम्मान है। जब किसी पुलिस कर्मी को उसकी मेहनत का फल मिलता है, तो उसका मनोबल और अधिक ऊंचा होता है। इससे वह पूरी जिम्मेदारी और जोश के साथ अपनी ड्यूटी निभाता है तथा विभाग के अन्य साथियों को भी पूरी ईमानदारी से काम करने की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि योग्यता के आधार पर मिलने वाली ऐसी पदोन्नतियों से पुलिस विभाग में पारदर्शिता, अनुशासन और बेहतर कार्यसंस्कृति को बढ़ावा मिलता है।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

'ग्रीन पंजाब मिशन' और 'वाटरवृक्ष फेडरेशन' ने गालिब कलां में लगाए पौधे

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/6/अगस्त। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के इस दौर में पर्यावरण को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए 'ग्रीन पंजाब मिशन' टीम और 'वाटरवृक्ष फेडरेशन' ने संयुक्त रूप से एक सराहनीय कदम उठाया है। इसके तहत गांव गालिब कलां की चाहल पत्ती स्थित श्मशानघाट में करीब 65 पारंपरिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का एक मजबूत संदेश दिया गया।

इस दौरान ग्रीन पंजाब मिशन के प्रतिनिधि सतपाल सिंह देहड़का ने बताया कि उनकी संस्था लंबे समय से पर्यावरण की सुरक्षा और पौधों की संभाल के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने क्षेत्र की सभी पंचायतों और सरपंचों से अपील की कि यदि उनके गांवों में कोई खाली या सांझी जगह उपलब्ध है, तो वे संस्था से संपर्क करें ताकि वहां पौधे लगाकर धरती को फिर से हरा-भरा बनाया जा सके।

वाटरवृक्ष फेडरेशन की प्रतिनिधि मैडम समिता कौर, मैडम स्वरणजीत कौर और गुरनीत सिंह मांगट ने इस मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि धरती को बचाना आज हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ग्रीन पंजाब मिशन को जरूरत पड़ने पर और अधिक पौधे तुरंत उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य हरिंदर सिंह चाहल ने दोनों संस्थाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रकृति की संभाल के इस महान कार्य में वे हरसंभव व्यक्तिगत और प्रशासनिक सहयोग देंगे। साथ ही, उन्होंने इलाके की अन्य पंचायतों को भी इस मुहिम से जुड़ने के लिए प्रेरित करने का भरोसा दिया, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण किया जा सके।

इस मौके पर जगप्रीत सिंह, हरनारायण सिंह, कंचन मैडम, राजपाल जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

नगर परिषद की अनदेखी पर पार्षद ने निजी खर्च से भरवाए गड्ढे, कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/06 अगस्त। जीरकपुर नगर परिषद की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। वार्ड नंबर-5 में सड़क मरम्मत और जनसुरक्षा से जुड़ी शिकायतों पर कार्रवाई न होने से नाराज स्थानीय पार्षद करमजीत सिंह चौहान ने नगर परिषद का इंतजार करने के बजाय अपने निजी खर्च से सड़क की मरम्मत करवा दी।

इस कदम के बाद जहां स्थानीय लोगों ने पार्षद की सराहना की, वहीं नगर परिषद की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। पार्षद करमजीत सिंह चौहान ने बताया कि एकता विहार की मुख्य सड़क पर लंबे समय से बड़ा गड्ढा बना हुआ था, जिससे वाहन चालकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। इस संबंध में उन्होंने नगर परिषद जीरकपुर में शिकायत संख्या 20260796877 और 20260796954 दिनांक 18 जुलाई 2026 को दर्ज करवाई थी, लेकिन कई दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतें केवल रिकॉर्ड तक सीमित रह गई और मौके पर समस्या जस की तस बनी रही। आखिरकार लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने अपने निजी खर्च से गड्ढे की मरम्मत करवा दी। स्थानीय निवासियों ने पार्षद की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि जब नगर परिषद और प्रशासन ने उनकी समस्या की अनदेखी की, तब चुने हुए जनप्रतिनिधि ने आगे बढ़कर समाधान कराया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं होती तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

मॉडर्न एंक्लेव में भी निजी खर्च से करवाई मरम्मत

करमजीत सिंह चौहान ने बताया कि मॉडर्न एंक्लेव स्थित हाउस नंबर-40 के बाहर सड़क धंसने की शिकायत भी करीब 20 से 25 दिन पहले नगर परिषद को दी गई थी, लेकिन वहां भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने उस सड़क की मरम्मत भी अपने निजी खर्च से करवाई।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले पर भाजपा का 'आप' सरकार पर तीखा हमला

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/6/अगस्त। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा महंगाई भत्ते (डीए) के बकाए पर सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले के बाद भारतीय जनता पार्टी ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली 'आप' सरकार को आड़े हाथों लिया है। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र शर्मा ने सरकार पर कर्मचारी-विरोधी होने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अदालत ने डीए रोकने के लिए सरकार द्वारा दिए गए हर मनगढ़ंत बहाने और दलील को सिरे से खारिज कर दिया है।

कोर्ट के फैसले की मुख्य बातें

वेतन आयोगः अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकार वेतन आयोग की सिफारिशों को अपनी सुविधा के अनुसार टुकड़ों में लागू नहीं कर सकती।

वित्तीय तंगी का बहाना खारिजः आर्थिक संकट का हवाला देकर कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के हक को रोकना पूरी तरह गलत और अमान्य है।

विज्ञापनों पर तल्ख टिप्पणीः कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की कि विज्ञापनों और गैर-जरूरी प्रचार पर पानी की तरह पैसा बहाने वाली सरकार कर्मचारियों के भुगतान के समय वित्तीय तंगी का रोना नहीं रो सकती।

डॉ. शर्मा ने कहा कि अदालत में मुंह की खाने के बाद भी 'आप' सरकार पुरानी दलीलें दोहराकर कर्मचारियों को गुमराह करने का असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के लाखों कर्मचारी और पेंशनर्स सरकार की गलत प्राथमिकताओं और वित्तीय कुप्रबंधन का खमियाजा भुगत रहे हैं। भाजपा नेता ने मांग की कि सरकार बेवजह की कानूनी जिद छोड़ें, अनर्गल बयानबाजी बंद करे और हाईकोर्ट के आदेशों का तुरंत पालन करते हुए तय समय-सीमा के भीतर डीए का सारा बकाया जारी करे। सत्ता में आने से पहले कर्मचारियों को सम्मान देने का वादा करने वाली सरकार आज उन्हें सिर्फ वादाखिलाफी और आर्थिक असुरक्षा दे रही है।

रिहायशी इलाके में चार दुकानों का निर्माण फिर शुरू, योग विहार में नगर परिषद की कार्रवाई पर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/06 अगस्त। बलटाना के योग विहार में रिहायशी क्षेत्र के बीच बन रही चार दुकानों को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। नगर परिषद की कार्रवाई के बाद करीब 10 दिन तक रुका निर्माण कार्य अब दोबारा तेज गति से शुरू हो गया है। इससे स्थानीय लोगों में रोष है और वे सवाल उठा रहे हैं कि यदि निर्माण नियमों के विरुद्ध था तो आखिर दोबारा काम कैसे शुरू हो गया।

क्षेत्रवासियों के अनुसार प्लॉट नंबर-24 पर चार दुकानों का निर्माण किया जा रहा है, जबकि यह क्षेत्र आवासीय श्रेणी में आता है। कुछ दिन पहले स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद जीरकपुर के कार्यकारी अधिकारी को लिखित शिकायत देकर निर्माण को नियमों के विरुद्ध बताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के बाद नगर परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया था, लेकिन अब फिर से निर्माण शुरू होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। निवासियों का आरोप है कि मौके पर किया जा रहा निर्माण स्वीकृत नक्शे के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार ग्राउंड फ्लोर पर तीन दुकानों का नक्शा स्वीकृत है, जबकि मौके पर चार दुकानें बनाई जा रही हैं। साथ ही पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह भी नहीं छोड़ी जा रही, जिससे भविष्य में यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क पहले से ही काफी व्यस्त रहती है। इसी मार्ग से स्कूल बसें, निजी वाहन और स्थानीय ट्रैफिक गुजरता है। आसपास बेकरी, सैलून, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान मौजूद हैं। ऐसे में दुकानों के शुरू होने के बाद सड़क किनारे पार्किंग बढ़ने से जाम की समस्या और गंभीर हो सकती है। निवासियों ने आरोप लगाया कि निर्माण के दौरान सरकारी सड़क की भूमि पर भी अतिक्रमण किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कार्रवाई हुई या सिर्फ औपचारिकता ?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद की कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित रही। उनके अनुसार अधिकारियों ने निर्माण के सामने वाले हिस्से में मामूली तोड़फोड़ कर कार्रवाई का संदेश दिया, लेकिन कुछ दिनों बाद निर्माण फिर शुरू हो गया। बुधवार को मौके पर मजदूरों को निर्माण कार्य करते देखा गया, जिससे नगर परिषद की कार्रवाई की गंभीरता पर सवाल उठ रहे हैं।

'10 दिन में कौन-सा नियम बदल गया ?'

क्षेत्रवासियों ने नगर परिषद से सवाल किया है कि यदि निर्माण नियमों के विरुद्ध था तो 10-15 दिन बाद ऐसा क्या बदल गया कि उसी निर्माण को दोबारा जारी रहने दिया गया। लोगों का आरोप है कि अवैध निमार्णों के मामलों में पहले कार्रवाई का दिखावा किया जाता है और बाद में काम फिर शुरू हो जाता है। उन्होंने अधिकारियों और फील्ड स्टाफ की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

योग विहार निवासी कलमुरत सिंह, कश्मीर सिंह, जगतार सिंह, राज कुमार सहित अन्य लोगों ने मांग की है कि यदि निर्माण नियमों के विरुद्ध पाया जाता है तो इसे तत्काल प्रभाव से रोका जाए और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाए।

क्या कहती हैं नगर परिषद की ड्राफ्ट्समैन ?

नगर परिषद जीरकपुर की ड्राफ्ट्समैन काजल ने बताया कि शिकायत उनके संज्ञान में है। उनके अनुसार संबंधित निर्माण का ग्राउंड फ्लोर का नक्शा स्वीकृत है, लेकिन नियमानुसार निर्माण सड़क से लगभग साढ़े सात फुट पीछे छोड़कर किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि वीरवार सुबह करीब 11 बजे भी निर्माण कार्य बंद करवाया गया है। साथ ही निर्माणकर्ता को नोटिस जारी किया जा चुका है। यदि इसके बावजूद निर्माण जारी रहता है तो नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्रवासियों की निगाहें नगर परिषद की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन नियमों के अनुसार सख्त कदम उठाता है या यह मामला भी अन्य विवादित निमार्णों की तरह जांच और फाइलों तक सीमित रह जाता है।

भाजपा के टेबल एजेंडा के घोटाले के विरोध में आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ का गवर्नर हाउस पैदल मार्च

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। आम आदमी पार्टी, चंडीगढ़ ने आज प्रदेश अध्यक्ष विजयपाल सिंह की अध्यक्षता में नगर निगम, सेक्टर-17 से गवर्नर हाउस तक पैदल मार्च निकाला। यह मार्च भाजपा पर ₹227 करोड़ सहित 16 टेबल एजेंडा बिना पर्याप्त चर्चा, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन किए पारित कराने के आरोपों के विरोध में आयोजित किया गया।

मार्च के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि चंडीगढ़ की जनता के टैक्स के पैसे से जुड़े करोड़ों रुपये के फैसले नियमों की अनदेखी कर लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और नगर निगम की पारदर्शी कार्यप्रणाली को कमजोर किया जा रहा है। नगर निगम कार्यालय, सेक्टर-17 से गवर्नर हाउस की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने भारी पुलिस बल तैनात किया और बैरिकेड लगाए। प्रदर्शन के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया गया। इसके बाद कुछ पार्टी पार्षदों को डीसी कार्यालय ले जाया गया। बाद में गवर्नर हाउस राउंड अबाउट पर भी पार्टी नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। राज्यपाल की अनुपस्थिति में आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि ₹227 करोड़ के टेबल एजेंडा सहित सभी 16 प्रस्तावों को बिना पर्याप्त चर्चा पारित किए जाने के पूरे मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा जिम्मेदार अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

एमसी कमिश्नर अमित कुमार का मलोया गौशाला का औचक निरीक्षण, साफ-सफाई और गोवंश के बेहतर रखरखाव पर दिया जोर

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। नगर निगम चंडीगढ़ के आयुक्त अमित कुमार ने गुरुवार को मलोया स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण कर वहां गोवंश के रखरखाव, स्वच्छता और प्रबंधन व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गौशाला में पशुओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर वातावरण सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी देखभाल से जुड़े प्रत्येक पहलू पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पशुओं को उपलब्ध कराए जा रहे चारे की गुणवत्ता और उसकी पर्याप्तता की जांच की। उन्होंने यह भी देखा कि गोबर और अन्य अपशिष्ट का निस्तारण किस प्रकार किया जा रहा है तथा पूरे परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता के मानकों का पालन हो रहा है या नहीं। इसके अलावा उन्होंने गौशाला में बने शेडों की स्थिति, पशुओं के रहने की व्यवस्था, पेयजल, सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

अमित कुमार ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से गौशाला के दैनिक संचालन, रखरखाव और पशुओं की देखभाल को लेकर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि गोबर और अन्य अपशिष्ट का समयबद्ध एवं वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाए, ताकि परिसर में स्वच्छता बनी रहे और किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न न हो।

डड्डूमाजरा की बदली तस्वीर का पर्यावरण समिति ने किया निरीक्षण, हरियाली और पौधरोपण कार्यों की सराहना

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। कभी शहर की सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौती रहे डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड की बदली तस्वीर का गुरुवार को प्रशासक की सलाहकार परिषद की पर्यावरण स्थायी समिति ने निरीक्षण किया। समिति ने पुनर्विकसित (रिक्लेम्ड) डंपिंग साइट पर चल रहे पौधरोपण, पर्यावरण पुनर्स्थापन और रखरखाव कार्यों की समीक्षा करते हुए नगर निगम चंडीगढ़ और वन विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा हरित क्षेत्र को लंबे समय तक सुरक्षित बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी और वैज्ञानिक रखरखाव पर जोर दिया। समिति के अध्यक्ष एवं हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का स्वागत नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, आईएएस, वन विभाग के अधिकारी सौरभ कुमार, आईएफएस तथा नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने समिति के समक्ष डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड के पुनर्विकास की पूरी प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

अमृतसागर मित्तल समाज सेवा और रोजगार सृजन के क्षेत्र में निभा रहे हैं महत्वपूर्ण भूमिका : खन्ना

मित्तल के जन्मदिन पर खन्ना ने पुष्पगुच्छ भेंट कर दी बधाई

दलजीत अजनोहा

होशियारपुर, 6 अगस्त। पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने अंतर्राष्ट्रीय ट्रैक्टर निर्माता सोनालिका ग्रुप के वाइस चेयरमैन अमृतसागर मित्तल को उनके जन्मदिवस के अवसर पर पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

इस अवसर पर खन्ना ने कहा कि अमृतसागर मित्तल के नेतृत्व में सोनालिका ग्रुप ने न केवल कृषि यंत्रीकरण के क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि लाखों किसानों का विश्वास भी अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत में अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली के साथ-साथ समाज सेवा एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी सोनालिका ग्रुप का योगदान अत्यंत सराहनीय है। खन्ना ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और सोनालिका ग्रुप ने अपने नवाचार, गुणवत्ता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से देश के औद्योगिक विकास को नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमृतसागर मित्तल के कुशल नेतृत्व में समूह भविष्य में भी किसानों के हितों, युवाओं के रोजगार तथा समाज कल्याण के कार्यों में इसी प्रकार अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। पूर्व सांसद ने अमृतसागर मित्तल के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका अनुभव और नेतृत्व देश के औद्योगिक एवं सामाजिक विकास को निरंतर नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगा।

स्वतंत्रता दिवस समागम के लिए तनदेही से जिम्मेदारी निभाएं अधिकारी: राकेश कुमार मीणा

अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

होशियारपुर/यूटर्न/06 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस पर स्थानीय पुलिस लाइन ग्राउंड में होने वाले जिला स्तरीय समागम की तैयारियों संबंधी बैठक को संबोधित करते हुए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(विकास) राकेश कुमार मीणा ने सभी अधिकारियों को तनदेही व जिम्मेदारी से अपनी ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को सौंपी गई ड्यूटियों को गंभीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस संबंधी पुलिस लाइन ग्राउंड में किए जाने वाले प्रबंधों को लेकर किसी भी तरह की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग विभागों की ओर से निकाली जाने वाली झांकियां, बैरीकेडिंग, पार्किंग, स्टेज की सजावट, बैठने के प्रबंधों, साफ-सफाई, पुरस्कारों व प्रशंसा पत्र का वितरण, पीने वाले पानी, साउंड, रिफ्रेशमेंट, प्राथमिक सहायता, फायर टैंडर, सुरक्षा व ट्रैफिक प्रबंधों सहित अलग-अलग कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को जरुरी दिशा निर्देश दिए।

अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(विकास) ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों संबंधी रिहर्सल पुलिस लाइन ग्राउंड में 10 व 12 अगस्त को होगी और फुल ड्रैस रिहर्सल 13 अगस्त को करवाई जाएगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि समारोह के दौरान अलग-अलग स्कूली बच्चों की ओर से मास पी.टी. शो व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों सही ढंग से करवा ली जाए। इस मौके पर सहायक कमिश्नर (ज) सुमित मुध, आर.टी.ओ अमनदीप कौर घुम्मण, अधिक सहायक कमिश्नर गुरप्रीत कौर के अलावा सभी विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

सिंहपुरा-नगला रोड स्थित खंडहर में मिले शव की हुई पहचान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

जीरकपुर/यूटर्न/06 अगस्त। सिंहपुरा चौक से नगला जाने वाली सड़क पर स्थित एक खंडहरनुमा इमारत में मिले अज्ञात शव की पहचान पुलिस ने कर ली है। मृतक की पहचान 45 वर्षीय जमीर अहमद उमर पुत्र गुरार अली, मूल निवासी उत्तर प्रदेश एवं हाल निवासी दयालपुरा के रूप में हुई है। वह दिहाड़ी मजदूरी कर अपना जीवनयापन करता था। जानकारी के अनुसार दो दिन पहले खंडहरनुमा इमारत से एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। शव कई दिन पुराना होने के कारण उसकी तत्काल पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और पहचान की प्रक्रिया के लिए डेराबस्सी स्थित शिवपुरी मोर्चरी में रखवा दिया था।

सनमती विमल जैन स्कूल की अंडर-14 हॉकी टीम ने जगरांव जोन में लहराया परचम

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/6/अगस्त। सनमती विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, जगरांव की अंडर-14 हॉकी टीम ने पहले ही जोन स्तर के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया है। टीम ने टूनार्मेंट में क्षेत्र की कई नामचीन टीमों को एकतरफा मुकाबलों में शिकस्त देकर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया है। स्कूल पहुंचने पर प्रिंसिपल सुप्रिया खुराना ने विजेता खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का अहम हिस्सा हैं। इस अवसर पर स्कूल के प्रधान रमेश जैन और सचिव महावीर जैन ने भी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान डी.पी. रघुवीर सिंह, कोच इंद्रजीत सिंह, बबिता कुमारी और परमजीत कौर सहित पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रज्ञा जायसवाल के ग्लैमरस लुक ने खींचा ध्यान

अभिनेत्री प्रज्ञा जायसवाल ने अपने नए फोटोशूट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। व्हाइट ऑफ-शोल्डर आउटफिट में उनका स्टाइलिश और खूबसूरत अंदाज प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों में अभिनेत्री का आत्मविश्वास और एलिगेंट लुक देखते ही बन रहा है। फैंस कमेंट कर उनकी खूबसूरती और फैशन सेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। प्रज्ञा जायसवाल का यह ग्लैमरस अवतार इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बाइक सवार बदमाशों ने गुरुद्वारे जा रही महिला की झपटमारी कर चेन छीनी

श्री माछीवाड़ा साहिब/यूटर्न/6 अगस्त। श्री माछीवाड़ा साहिब में वीरवार सुबह ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने जा रही एक महिला को नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने अपना शिकार बनाया। लुटेरों ने पहले महिला की रेकी करते हुए पीछा किया और फिर 2 तोले की सोने की चेन झपट कर फरार हो गए। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ गया है। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में दिल दहला देने वाला मंजर कैद हुआ है। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश करीब 500 मीटर तक लगातार महिला का पीछा करते हैं। वे सुनसान सड़क और बाजार बंद होने का फायदा उठाते हैं। जैसे ही महिला गुरुद्वारा साहिब के करीब पहुंचती है, बाइक से एक बदमाश नीचे उतरता है और महिला का पीछा कर पीछे से आकर अचानक महिला के गले पर झपट्टा मारता है। फुटेज में यह भी स्पष्ट दिख रहा है कि चेन छिनने के बाद महिला घबराती नहीं है, बल्कि शोर मचाते हुए बदमाशों के पीछे दौड़ती है, लेकिन लुटेरे बाइक पर बैठकर तेजी से रफूचक्कर हो जाते हैं।

51 एकड़ जमीन सौदे में फर्जी दस्तावेजों का खेल ! जांच में करोड़ों की डील पर उठे सवाल, तीन पर एफआईआर

मोहाली/यूटर्न/06 अगस्त। मोहाली के सोहाना थाना क्षेत्र में 51 एकड़ जमीन के बहुचर्चित कारोबारी सौदे में करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने का मामला सामने आया है। एसपी (लोकल) की जांच रिपोर्ट में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिन्होंने पूरे जमीन सौदे को शक के दायरे में ला दिया है। रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी मोहाली ने गर्ग बंधुओं के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक साजिश सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। हालांकि मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

पुलिस जांच के अनुसार, डीएस बिल्डटेक के सांझेदारों के बीच 14 मार्च 2022 को हुए एमओयू के तहत करीब 51 एकड़ जमीन के सौदे पर सहमति बनी थी। समझौते में जमीन की कीमत 4.27 करोड़ रुपये प्रति एकड़ तय की गई थी और श्रृंखलाबद्ध तरीके से करोड़ों रुपये का भुगतान होना था। शिकायतकताओं का आरोप है कि तय रकम का भुगतान किए बिना ही दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उन्हें फर्म से बाहर करने की साजिश रची गई। जांच रिपोर्ट में सबसे बड़ा सवाल एमओयू, पार्टनरशिप डीड और डिसॉल्यूशन डीड की तारीखों पर उठा है। रिपोर्ट के अनुसार तीनों दस्तावेज एक ही दिन तैयार और हस्ताक्षरित होने की बात सामने आई, जबकि उन पर अलग-अलग तारीखें दर्ज हैं। दस्तावेजों के गवाह जितेंद्र शर्मा ने भी पुलिस को दिए बयान में इस मुद्दे पर हैरानी जताई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि एमओयू के अनुसार समझौते की वैधता 150 दिन थी, लेकिन इससे पहले ही एक अप्रैल 2022 की नई पार्टनरशिप डीड तैयार कर शिकायतकर्ता शिव अग्रवाल को फर्म से बाहर दिखा दिया गया। जांच में यह भी पाया गया कि इस नई डीड का उपयोग पुलिस जांच में तो किया गया, लेकिन रजिस्ट्रार कार्यालय में पहले की डीड पेश की गई। इससे नई डीड के बाद में तैयार किए जाने की आशंका जताई गई। रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में 'श्री गणपति लैंड प्रमोटर्स' नाम से नई फर्म बनाकर उसी जमीन की रजिस्ट्रियां कराई जाने लगीं, जिसे पहले डी.एस. बिल्डटेक के नाम खरीदा जाना था।

एबीवीपी लुधियाना ने 450 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

लुधियाना/यूटर्न/06 अगस्त। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) लुधियाना की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 450 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर के निदेशक प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया, विशिष्ट अतिथि श्रीराम ग्लोबल स्कूल की निदेशक आंचल गर्ग तथा एबीवीपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रो. कनौजिया ने कहा कि सफलता केवल अच्छे अंकों से नहीं, बल्कि ज्ञान,

अनुशासन, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व से निर्धारित होती है। सम्मानित विद्यार्थी विकसित भारत के भविष्य निमार्ता हैं। आंचल गर्ग ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में माता-पिता, शिक्षकों और उनके परिश्रम का अहम योगदान होता है। आशीष चौहान ने कहा कि एबीवीपी छात्र हितों के लिए संघर्ष करने के साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण के लिए भी कार्य कर रही है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। समारोह में प्रदेश संगठन मंत्री शमशेर सिंह चौहान, प्रदेश मंत्री जसकरण सिंह भुल्लर, मनमीत सोहल, अमित गोयल, साकेत शर्मा, ओमसी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ में ₹28.87 करोड़ की दो बड़ी परियोजनाओं को मूल्यांकन समिति की मंजूरी की सिफारिश

सेक्टर-7 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का होगा अत्याधुनिक उन्नयन, शहर की सीमाओं पर बनेंगी 15 नई सुरक्षा जांच चौकियां

चंडीगढ़/यूटर्न/06 अगस्त। यूटी चंडीगढ़ में खेल अवसंरचना को विश्वस्तरीय बनाने और शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद, आईएएस की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मूल्यांकन समिति (एप्रेजल कमेटी) की बैठक में करीब ₹28.87 करोड़ की दो महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति एवं वित्तीय मंजूरी के लिए अनुशंसा की गई।

बैठक में वित्त सचिव दिप्रवा लाकड़ा, आईएएस, सचिव इंजीनियरिंग प्रेरणा पुरी, आईएएस, खेल निदेशक सौरभ कुमार अरोड़ा, मुख्य अभियंता सी.बी. ओझा, मुख्य वास्तुकार राजीव मेहता सहित चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सीमा प्रवेश बिंदुओं पर बनेंगी 15 नई सुरक्षा चौकियां

समिति ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए चंडीगढ़ की सीमाओं पर 15 स्थायी सुरक्षा जांच चौकियों के निर्माण के प्रस्ताव पर भी विचार किया। इन आरसीसी चौकियों में कार्यालय, कंट्रोल रूम, रिकॉर्ड रूम, सुरक्षा कर्मियों के विश्राम कक्ष, बैरक, पेंट्री, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

यह प्रस्ताव सीआरपीएफ, चंडीगढ़ पुलिस, शहरी नियोजन विभाग और इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त निरीक्षण एवं सिफारिशों के आधार पर तैयार किया गया है। प्रशासन का मानना है कि शहर के विस्तार और बदलती सुरक्षा जरूरतों को देखते हुए इन आधुनिक चौकियों से सीमा निगरानी, प्रवेश नियंत्रण और 24 घंटे सुरक्षा संचालन अधिक प्रभावी होगा। साथ ही सुरक्षा कर्मियों को बेहतर कार्य परिस्थितियां भी उपलब्ध होंगी।

सेक्टर-7 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को मिलेगा नया स्वरूप

बैठक में सेक्टर-7 स्थित हॉकी ग्राउंड एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ₹22.93 करोड़ के उन्नयन प्रस्ताव पर विस्तार से विचार किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य वर्ष 2027 में प्रस्तावित एशियन रिले चैंपियनशिप समेत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं विकसित करना है। परियोजना के तहत 3,400 दर्शकों की क्षमता वाली नई दर्शक दीर्घा, टेंसाइल कैनोपी, मौजूदा पवेलियन का विस्तार और आधुनिकीकरण, खिलाड़ियों, तकनीकी अधिकारियों, मीडिया, वीआईपी और वीवीआईपी के लिए अलग-अलग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा सिविल, विद्युत और जनस्वास्थ्य से जुड़ी अधोसंरचना को भी आधुनिक बनाया जाएगा। परियोजना में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 1650 वॉट क्षमता की एलईडी स्पोर्ट्स फ्लडलाइट्स चार 35 मीटर ऊंचे हाई-मास्ट पोल पर स्थापित की जाएंगी। यह व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय प्रसारण मानकों के अनुरूप होगी, जिससे भविष्य में यहां होने वाली प्रतियोगिताओं का उच्च गुणवत्ता के साथ सीधा प्रसारण संभव हो सकेगा।

645 करोड़ सरकारी फंड घोटाला: पूर्व आईएएस पंकज अग्रवाल को नहीं मिली जमानत, सीबीआई कोर्ट ने याचिका की खारिज

पंचकूला/यूटर्न/06 अगस्त। हरियाणा के चर्चित 645 करोड़ सरकारी फंड घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व आईएएस अधिकारी और हरियाणा के पूर्व प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने माना कि सार्वजनिक धन की कथित हेराफेरी से जुड़े आर्थिक अपराध गंभीर प्रकृति के होते हैं और ऐसे मामलों में जमानत पर विचार करते समय विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है। बुधवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे वीरवार को सुनाया गया। आदेश में कहा गया कि इस मामले का असर केवल सरकारी तंत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी पड़ता है। इसलिए प्रथम दृष्टया उपलब्ध तथ्यों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत को बताया कि जांच में पंकज अग्रवाल की कथित भूमिका सामने आई है। एजेंसी के अनुसार, वह मुख्य आरोपी और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, सेक्टर-32 चंडीगढ़ के पूर्व अधिकारी रिभव ऋषि के संपर्क में थे तथा उन्हें कथित रूप से आर्थिक और अन्य अनुचित लाभ भी मिले। सीबीआई का आरोप है कि स्कूल शिक्षा विभाग और बाद में हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) में प्रधान सचिव रहते हुए उन्होंने सरकारी प्रक्रियाओं की अनदेखी कर बैंक में खाते खुलवाने की प्रक्रिया में भूमिका निभाई, जिससे करीब 60 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी हुई। एजेंसी पूरे मामले में विभिन्न सरकारी विभागों से जुड़े लगभग 645 करोड़ के लेनदेन की जांच कर रही है। वहीं बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि पंकज अग्रवाल का 26 वर्षों का सेवा रिकॉर्ड बेदाग रहा है। उनके खिलाफ न तो किसी धनराशि की बरामदगी हुई है और न ही कोई प्रत्यक्ष मनी ट्रेल सामने आई है। उनका कहना था कि उन्होंने केवल प्रशासनिक स्तर पर अनुमोदन दिया था और व्यक्तिगत रूप से किसी वित्तीय अनियमितता में शामिल नहीं थे।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma

तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।

Contact - +91 9814295372